ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय, कामेश्वर नगर, दरभंगा

पीएच. डी. उपाधि हेतु प्रस्तुत

शोध-प्रारूप

विषय : एकैसम शताब्दीक नाट्य-साहित्यक विश्लेषणात्मक अध्ययन

गवेशक : अभिनब मुस्कान कुमार पासवान

विषय : मैथिली

संकाय : मानविकी

विश्वविद्यालय : ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय, कामेश्वर नगर, दरभंगा

शोध-निर्देशक

18/04/2024

(डॉ. नरेश कुमार)
अध्यक्ष, मैथिली विभाग
विलट महथा आदर्श महाविद्यालय, बहेड़ी
ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय,
कामेश्वर नगर, दरभंगा

गवेषक

अभिनव मुस्कान कुमार पासवान

(अभिनब मुस्कान कुमार पासवान)
यू.जी.सी.नेट
BR04005454
पैट क्रमांक - 22110002
पिता -ललन पासवान
ग्राम+पोस्ट-निमैठी, भाया-आनंदपुर
जिला- दरभंगा, पिन कोड-847101
मोबाइल- 8252574093

शोध-प्रारूप

'एकैसम शताब्दीक नाट्य-साहित्यक विश्लेषणात्मक अध्ययन'

,

प्रस्तावना

लोक-मनोरंजनक सबसँ लोकप्रिय आ प्रचलित माध्यम 'नाटक' थिक। नाटक प्राचीन कालसँ लऽ कऽ अत्याधुनिक काल धरि अपन प्रभाव लोक सबपर छोड़ि रहल अछि। आजूक इंटरनेटक समयमे सेहो नाटक चलि रहल अछि आ एहि माध्यमक माध्यमसँ दर्शक लोकनिक संख्यामे अथाह वृद्धि देखबामे आबैत अछि। पहिले लोक जतय नाटक खेलायल जाइत छलैक, ततय जा कऽ नाटक देखैत छलैक मुदा आब संचारक विभिन्न माध्यमसँ घर बैसले नाटक देखि लैत अछि। एहन स्थितिमे लोक सब नव-नव नाटक लिखैत छथि आ दर्शकक सुविधाकें देखैत ओकर मंचन कऽ सोशल मिडियापर प्रचारित करैत छथि संगहि नाटकक पोथीक रूपमे सेहो प्रकाशित करबैत छथि जाहिसँ पाठक लोकनि सेहो ओहि नाटकक रसास्वादन करैत छथि।

एहि ठाम हम कहय चाहब जे एकैसम शताब्दीमे अनेको नाटककार अपन रचना-प्रतिभाक बलपर नाटकक रचना कऽ ओकरा पाठकक लेल सहज, सुलभ बना देल अछि। तें आवश्यकता अछि जे एहि नाट्य-साहित्यक विश्लेषण हो। एहि बातकें ध्यानमे राखैत हम

'एकैसम शताब्दीक नाट्य-साहित्यक विश्लेषणात्मक अध्ययन' विषयक चयन कयल अछि। एहि विषयक चयन करबाक एक मात्र उद्देश्य एकैसम शताब्दीक नाट्य-साहित्यक विश्लेषण करब थिक जाहिसँ ई ज्ञात भऽ सकत जे एहि नाट्य-साहित्यमे सामाजिक, सांस्कृतिक, राजनैतिक, आर्थिक आ धार्मिक स्थितिक कोन रूपक चित्रण कयल गेल अछि।

महत्त्व

मैथिली साहित्यमे शोध-कार्य अबाध गतिसँ निरंतर चलि रहल अछि। एहन स्थितिमे ई निश्चित अछि जे शोध-कार्यक विषय विभिन्न प्रकारक रहैत अछि मुदा एखन धरि हमरा जनतबमे 'एकैसम शताब्दीक नाट्य-साहित्यक विश्लेषणात्मक अध्ययन' विषयपर कोनहुँ शैक्षणिक संस्था द्वारा शोध-कार्य प्रस्तुत नहि कयल गेल अछि। तें हम एहि विषयक चयन कयल जे नाट्य-साहित्य आ आलोचना-साहित्य दूनूक लेल महत्त्वपूर्ण विषय अछि। एहि शोध-कार्यसँ मैथिली साहित्यक सुधी पाठक, छात्र-छात्रा, शोधार्थी, अध्यापक-प्राध्यापक लोकनि लाभान्वित भऽ सकताह।

उद्देश्य

साहित्यक अन्य विधा जेना - कथा, उपन्यास आदिमे लोकक जीवनक विभिन्न पक्षकें उजागर कयल जाइत अछि, तेना नाटकमे सेहो लोकक जीवनक विभिन्न पक्षकें उजागर कयल जाइत अछि।

नाटक कथा आ उपन्यासक बीचक विधा अछि कारण कथामे संक्षिप्तता रहैत अछि आ उपन्यासमे वर्णनक अधिकता रहैत अछि मुदा नाटकमे ई बात नहि रहैत अछि। ई कथा आ उपन्यासँ एकदम फराक होइत अछि।

एहि शोध-कार्यक उद्देश्य अछि जे एकैसम शताब्दीक नाट्य-साहित्यक विश्लेषण करब जाहिसँ मानव-जीवनक सामाजिक, सांस्कृतिक, राजनैतिक, आर्थिक आ धार्मिक स्थितिक पता चलत जे नाटककार लोकनि अपन-अपन समाजमे वा देखल-सुनल समाजमे जे किछु अनुभव कयलनि तकरा कोन प्रकारें व्यक्त कयने छथि।

शोधक प्रविधि आ कार्य-प्रणाली

एकैसम शताब्दीक नाट्य-साहित्यक अध्ययन अनुसंनात्मक आ विश्लेषणात्मक दृष्टिसँ कयल जायत। नाट्य-साहित्यसँ संबंधित एकैसम शताब्दीक नाट्य साहित्यमे मानव-जीवनक सामाजिक,

सांस्कृतिक, राजनैतिक, आर्थिक आ धार्मिक स्थितिक विस्तृत रूपसँ अध्ययन कयल जायत। एहि लेल हम नाट्य-साहित्यमे लिखित, प्रकाशित आ मंचित नाट्य सभक अनुसंधान करब जाहिसँ अज्ञात रचना पाठक, समीक्षक आदि लोकनिक समक्ष आबि सकत।

मैथिली भाषामे रचित रचना सब लेखकक घरमे राखल रहैत अछि आ धनक अभावमे प्रकाशित नहि कराओल जाइत अछि तथा जे रचना प्रकाशित कराओल जा चुकल अछि, ओ रचना सब मंचपर मंचित भऽ जाय, ईहो निश्चित रूपसँ नहि कहल जा सकैत अछि। तें ई कहल जा सकैत अछि जे बड़ कम नाटक एहन होइत अछि जे प्रकाशितो अछि आ मंचितो अछि। एह शोध-प्रबंधमे ओहन सब नाटकक अन्वेषण करब जे लिखित अछि। चाहे ओ प्रकाशित अछि वा नहि तथा मंचित अछि वा नहि अछि।

शोधक स्रोत

एहि शोध-कार्य हेतु एकैसम शताब्दीक प्रकाशित आ अप्रकाशित तथा मंचित आ अमंचित नाटकक समग्र विश्लेषण करबाक प्रयास करब। एहि हेतु रचनाकार (नाटककार) लोकनिसँ व्यक्तिगत रूपसँ सम्पर्क करब जाहिसँ हुनका लोकनिक समस्त नाट्य-साहित्यकें

प्रकाशमे आनब आ विभिन्न पत्र-पत्रिकाक सेहो अध्ययन करब जाहिसँ पत्र-पत्रिकामे प्रकाशित नाटक आ नाटकक समीक्षाक संकलन भऽ सकत संगहि विभिन्न प्रकाशनसँ सेहो सम्पर्क साधल जायत जाहिसँ ज्ञात भऽ सकत जे एकैसम शताब्दीमे कोन-कोन नाट्य-कृति सभ प्रकाशित कराओल गेल अछि। एहि सबक अतिरिक्त आलोचनात्मक पोथी सबक सेहो अध्ययन करब जाहिसँ नाटकपर जे आलोचना वा समालोचनात्मक निबंध आयल अछि, ओकर अवलोकन सेहो करब। एकर अतिरिक्त विभिन्न संस्था द्वारा प्रकाशित स्मारिकाक सेहो अनुसंधान करब जाहिसँ नाटक आ ओहिपर समीक्षा जे प्रकाशित कयल गेल अछि, तकरो सबक सम्यक रूपसँ अध्ययन करब।

एखन एहि प्रस्तावित शोध-प्रारूपमे शोध-प्रबंधक हेतु निम्नलिखित अध्यायमे बाँटबाक योजना बनाओल अछि आ शोधक क्रममे आवश्यकता पड़लापर एहिमे परिवर्त्तन सेहो कयल जा सकैत अछि। तत्काल सम्भावित अध्याय सब एहि प्रकारें अछि-

पहिल अध्याय- एकैसम शताब्दीक नाट्य-साहित्यक विकास-क्रम।

दोसर अध्याय - विवेच्य अवधिक नाटकमे सामाजिक स्थिति।

तेसर अध्याय - विवेच्य अवधिक नाटकमे सांस्कृतिक स्थिति।

चारिम अध्याय - विवेच्य अवधिक नाटकमे राजनैतिक स्थिति।

पाँचम अध्याय - विवेच्य अवधिक नाटकमे आर्थिक स्थिति।

छठम अध्याय - विवेच्य अवधिक नाटकमे धार्मिक स्थिति।

उपसंहार।

परिशिष्ट।

अधीत ग्रंथक सूची।

शोध-प्रबंधक अध्यायक संक्षिप्त स्वरूप

पहिल अध्यायमे विवेच्य अवधिक प्रकाशित आ अप्रकाशित तथा मंचित आ अमंचित नाट्य-साहित्य सबक अनुसंधान कऽ ओकर विकास-क्रमक विश्लेषण निम्न काल-क्रमक अनुसारें करब-

क. 1 जनवरी 2000 ई.सँ 31 दिसम्बर 2005 धरि,

ख. 1 जनवरी 2006 ई.सँ 31 दिसम्बर 2010 धरि,

ग. 1 जनवरी 2011 ई.सँ 31 दिसम्बर 2015 धरि,

घ. 1 जनवरी 2016 ई.सँ 31 दिसम्बर 2020 धरि आ

ङ. 1 जनवरी 2021 ई.सँ अद्यतन।

दोसर अध्यायमे विवेच्य अवधिक प्रकाशित आ अप्रकाशित तथा मंचित आ अमंचित नाटक सबमे वर्णित सामाजिक स्थितिक पता लगायब आ ओकर विश्लेषण कऽ ई देखबाक प्रयास करब जे नाटककार जाहि परिवेशक चित्रण कयलाह अछि, ओहि क्षेत्रक लोकक सामाजिक स्थिति केहन अछि।

तेसर अध्यायमे विवेच्य अवधिक प्रकाशित आ अप्रकाशित तथा मंचित आ अमंचित नाटक सबमे वर्णित सांस्कृतिक स्थितिक पता लगायब आ ओकर विश्लेषण कऽ ई देखबाक प्रयास करब जे नाट्य-साहित्यमे वर्णित परिवेशमे सांस्कृतिक केहन स्थिति छल, तकर विश्लेषण प्रस्तुत करब।

चारिम अध्यायमे विवेच्य अवधिक प्रकाशित आ अप्रकाशित तथा मंचित आ अमंचित नाटक सबमे वर्णित राजनैतिक स्थितिक अध्ययन कऽ ओकर विश्लेषण प्रस्तुत करब जाहिसँ तात्कालीन परिवेशक राजनैतिक स्थिति स्पष्ट भऽ सकत।

पाँचम अध्यायमे विवेच्य अवधिक प्रकाशित आ अप्रकाशित तथा मंचित आ अमंचित नाटक सबमे वर्णित आर्थिक स्थितिक कोन प्रकारें चित्रण कयल गेल अछि, तकर विश्लेषण प्रस्तुत करब जाहिसँ स्पष्ट होयत जे समाजमे आर्थिक स्थिति सब दिन एक रंग नहि रहैत अछि।

ओहुना कहल जाइत अछि जे लक्ष्मीक दोसर नाम चंचला सेहो छनि। तें आइ एहि घर त काल्हि दोसर घर।

छठम अध्यायमे विवेच्य अवधिक प्रकाशित आ अप्रकाशित तथा मंचित आ अमंचित नाटक सबमे मानव-जीवनक धार्मिक पक्षपर प्रकाश दैत ओकर सम्यक रूपसँ विश्लेषण प्रस्तुत करब जाहिसँ स्पष्ट होयत जे मानव-जीवनमे धर्मक की महत्त्व अछि? ओकरा कियाक धारण करबाक चाही? संगहि ईहो स्पष्ट करबाक प्रयास करब जे धर्मक संग लोक कोन प्रकारक व्यवहार करैत अछि?

अंतमे सम्पूर्ण शोध-प्रबंधक सार रूपमे **उपसंहार** प्रस्तुत करब आ जे किछु विवेच्य-कालक सामग्री छूटल रहत, तकरा **परिशिष्ट**मे प्रस्तुत करबाक प्रयास करब संगहि अंतमे एहि शोध-कार्यकें पूर्ण करबाकलेल जाहि ग्रंथक सबक अध्ययन करब, ओहि ग्रंथक सबक नाम **अधीत ग्रंथक सूचीमे** प्रस्तुत करब जाहिसँ शोध-प्रबंधकें मूर्त रूप प्रदान कऽ सकब।

अधीत ग्रंथक सूची

01. श्रीश, झा, डॉ. दुर्गानाथ, मैथिली साहित्यक इतिहास, भारती पुस्तक केन्द्र, टावर चौक दरभंगा : 1991

02. झा, डॉ. दिनेश कुमार, मैथिली साहित्यक आलोचनात्मक इतिहास, मैथिली अकादमी, पटना : 2012

03. मिश्र, डॉ. जयकान्त, मैथिली साहित्यक इतिहास, साहित्य अकादेमी, नई दिल्ली : 2001

04. सं.- झा, देवकान्त, मैथिली नाटकक विकास, साहित्य अकादेमी, नई दिल्ली : 2015

05. सं.- भारद्वाज, मोहन, मैथिली गद्यक विकास, साहित्य अकादेमी, नई दिल्ली : 2015

06. सं.- झा वासुकीनाथ, मैथिली साहित्यक रूपरेखा, चेतना समिति, पटना : 1974

07. चौधरी, डॉ. अरुणा, वाणी-विधान, यथार्थ पब्लिकेशन, दिल्ली : 2017

08. रमण, मिश्र, फूलचन्द्र, अभिज्ञा, भारती मैथिली परिषद, तुमौल, दरभंगा : 2004

09. सिंह, डॉ. रामसेवक, कृति-प्रसंग, नवारम्भ, मधुबनी : 2015

10. नवीन. देवशंकर, मैथिली साहित्य दशा, दिशा, सन्दर्भ, नवारम्भ, पटना : 2011

11. प्रेम, मिश्र, प्रेमलता, शेखर प्रकाशन, पटना : 2008

12. सं.- मेहता, डॉ. अशोक कुमार, सम्प्रति, मैथिली विभाग, चन्द्रधारी मिथिला विज्ञान महाविद्यालय, दरभंगा : 2012

13. झा, डॉ. राजकुमार, मैथिली आलोचना साहित्यक समकालीन प्रवृत्ति : विश्लेषण, सारस्वत प्रकाशन, मुजफ्फरपुर : 2015

14. चन्द्रेश, सामा-चकेबा, तरूण मिथिला प्रकाशन, माऊँबेहट : 2013

15. चन्द्रेश, जय विश्वमित्र, तरूण मिथिला प्रकाशन, माऊँबेहट : 2021

16. चन्द्रेश, जय परशुराम, तरूण मिथिला प्रकाशन, माऊँबेहट : 2022

17. चन्द्रेश, अहल्या नाटक, तरूण मिथिला प्रकाशन, माऊँबेहट : 2022

18. चन्द्रेश, लोरिक-मनिआर, तरूण मिथिला प्रकाशन, माऊँबेहट : 2023

शोध-निर्देशक

18/04/2024

(डॉ. नरेश कुमार)

अध्यक्ष, मैथिली विभाग

बिलट महथा आदर्श महाविद्यालय, बहेड़ी

ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय,

कामेश्वर नगर, दरभंगा

गवेषक

अभिनव मुस्कान कुमार पासवान

(अभिनब मुस्कान कुमार पासवान)

यू.जी.सी.नेट

BR04005454

पैट क्रमांक - 22110002

पिता- ललन पासवान

ग्राम+पोस्ट-निमैठी, भाया-आनंदपुर

जिला- दरभंगा, पिन कोड-847101

मोबाइल- 8252574093